KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

PM SHREE KENDRIYA VIDYALAYA B.E.G.

पी. एम श्री केंद्रीय विद्यालय बी. ई. जी. पुणे

ANNUAL E-NEWSLETTER (PRY) 2023-24

SMT. SONA SETH
(Deputy Commissioner)

Sh. S.V. Joglekar
(Asst. Commissioner)

SmtA.P.Kaschap
(Asst. Commissioner)

Sh. S. Mehara
(Asst. Commissioner)

CHIEF OF EDITORIAL BOARD

Smt. Harsha Joshi (H.M)

Members;

Smt. Anjali (PRT)

Sh.Shailesh Almale (PRT)

Smt.Pallavi Aronkar (PRT)

Designer

Sh. Shailesh Almale (PRT)

Principal's Desk

"Doing easily what others find difficult is talent; doing what is impossible with talent is genius."

Education plays a very important role in students life. It is a tool which provides knowledge, skills, inovative techniques that enable them to know their rights and duties towards their family, society and nation as well. It builds up the confidence to lead a better and meaningful life in the democratic pattern of society.

This is the platform in which children showcase their talent of creativity like story writing, poem, prose, jokes, riddles, puzzles and learn about rich heritage and culture of India including custom and tradition based on value education.

Principal
SMT. Uma S. Chandra

FITNESS KA DOZE AADHA GHANTA ROZ

AANCHAL (2 C)

WORLD ENVIRONMENT DAY

Teacher.

In this gloom you are the moon.
We are like an Empty box.

You developed our hand to create
and mind for thinking.

We always try to fill this box.
You create a happy learning atmosphere.

You teach us what is right and
what is wrong?
Guiding us how to serve,
help and obey.

Teachers are the nature's
gift for children.

Always remember your teacher
Because they create our future.

For allowing one to Dream.

Mr. maruti Shinde
Primary Teacher

Rude Man Recognizing His Mistake

There was a man ,
Who had a van.
He was so rude ,
And was not at all in good mood.
The man's wife loves pets,
So he gifted her a cat.
And named it Jat,
Which was very fat,
The cat was very angry,
Because he never gets food when it was hungry.
One day the cat broke the pot,
The man was irritated and threw the cat out.
Then he buys a dog, who always eats frog.
The man loves frog, So he threw the dog out.
Then he buys hen, which Laid chickens ten.
The man has no money to feed them,
And Beat them with stem.
So he threw them out.
And then he recognizes that he had made a big mistake,
Then thinks that dog, cat, hen and chickens were alone;
So he brought them back home.

Dhanraj Shinde
(4A)

Riddles

1. I can carry lots of food but cannot eat anything.
2. I have hands but cannot hold a thing.
3. What has teeth but cannot chew?

Rutu Kumbar (5 C)

4. What goes up and doesn't come down?
5. What are the two things that people never eat before breakfast?

Anagami .(5 C)

Ans: 1) A refrigerator. 2) A clock 3) A comb
4) Your age 5) Lunch and dinner.

Our Country.

India is a beautiful country famous for it's rich culture and tradition. People of different religions and caste live here with unity. People of India are very intellectual and spiritual. Along with Hindi, various other languages are spoken here. India was under the British rule prior to 1947. India got independence on 15th August 1947 from British rule after hard struggle and sacrifices of Indian freedom fighters. India is the seventh largest country by area and also second most populated country in the world. New Delhi is the capital of India. In India the most beautiful monument is Taj-Mahal which is one of the seven wonders of the world.

Avani (3 C)

ART AND CRAFT

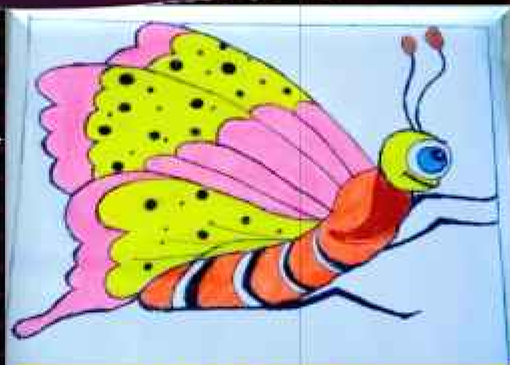

GOPAL (3 C)

HEMASRI (5 B)

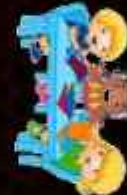

AAKANKSHA (1 B)

SHANMUKH (2 B)

R. VEDANTH (2 C)

VINEET (1 C)

SANGHAVI (4 C)

RISHI (4 A)

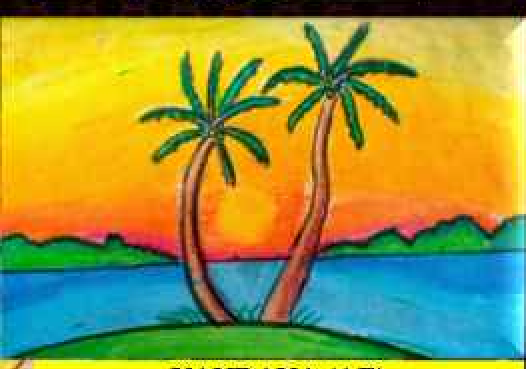

VANDANA (4 B)

SHRITAN (1 A)

SAMARTH. J (2 A

पहेलियाँ

1) वह कौन सी चीज़ है, जिसका रंग काला है, वह उजाले में तो नज़र आती है लेकिन अँधेरे में दिखाई नहीं देती I बोलो क्या है वो ?
2) कमर बाँधे घर में रहती ,सुबह -शाम ज़रूर है पड़ती I बताओ क्या ?
3) एक फूल यहाँ खिला ,एक खिला कलकत्ता , अज़ब अज़ूबा हमने देखा पत्ते के ऊपर पत्ता I
4) ऐसी क्या चीज़ है ,जो आदमी के लिए नुक़सानदेह है किन्तु लोग फिर भी उसे पी जाते हैं I
5) दो अंगुल की है सड़क, उस पर रेल चले बेधड़क ,लोगों के है काम आती ,समय पड़े तो खाक बनाती

जाह्नवी
पाँचवी अ

6) ऐसी कौन सी चीज़ है, जिसे खाने के लिए खरीदते हैं लेकिन खाते नहीं?
7) सिर है लेकिन पाँव नहीं, आँख लेकिन कान नहीं I मुँह है लेकिन नाक नहीं। बोलो कौन है वो?

रितिका
चौथी अ

उत्तर

1) परछाई 2) झाड़ू 3) बंदगोभी 4) गुस्सा 5) माचिस 6) थाली 7) साँप

माँ

घर ही पहली पाठशाला है
माँ ही पहली गुरु है
माँ तो जन्नत का फूल है
प्यार करना उसका उसूल है II

दुनिया की मोहब्बत फिजूल है
माँ की हर दुआ कबूल है
माँ बिन जीवन है अधूरा
खाली-खाली ,सूना-सूना II

खाना पहले हमें खिलाती
बाद में वह खुद है खाती
हमारी खुशी में खुश हो जाती
दुःख में हमारे आँसू बहाती II

कितने खुशनसीब हैं हम
पास हमारे है माँ!!

आशुतोष भोसले
पाँचवी ब

अनुशासन

अनुशासन क्या है? अनुशासन शब्द सुनकर हमारे मन में बस यही विचार आता है कि अनुशासन का अर्थ किसी संस्था द्वारा बनाये गए नियमों का पालन करना या हमसे बड़ों द्वारा दिए गए आदेशों का पालन करना होता है। ये सभी संकल्पनाएँ केवल बाहरी अनुशासन को दर्शाती हैं।

वास्तव में कोई व्यक्ति अनुशासित तब कहलायेगा ,जब वह स्वयं आंतरिक अनुशासन का पालन कर रहा होगा । स्व अनुशासन में नियमों का पालन करने के लिये किसी बाहरी दबाव की आवश्यकता नहीं होती है बल्कि व्यक्ति स्वयं अपने आचरण व विचारों पर नियंत्रण रखता है। अतः व्यवहारिकता में अनुशासन का अर्थ ऐसी जीवनशैली का पालन करना है जो सही है।

अनुशासन शिक्षा पाने या सीखने के लिए पहली सीढ़ी की तरह है, क्योंकि यह एक व्यक्ति को केंद्रित व अपने लक्ष्य पर अडिग बनाता है । अनुशासन से व्यक्ति बेहतर इंसान बनता है और अपने जीवन के हर पड़ाव पर सफलता प्राप्त करते हुए सम्मान प्राप्त करता है। अतः हम सबको अपने जीवन के हर क्षेत्र में अनुशासन का पालन करना चाहिए।

श्रीमती संगीता भांडे

प्राथमिक शिक्षिका

सच्ची मित्रता

संजीव और राहुल दोनों अच्छे मित्र थे।दोनों एक ही स्कूल में पढ़ते थे।राहुल पढ़ाई में बहुत अच्छा था। वह कक्षा में हमेशा प्रथम स्थान प्राप्त करता था।सभी अध्यापक हमेशा उसकी प्रशंसा करते रहते थे। संजीव भी पढ़ने में ठीक था।राहुल को अपनी पढ़ाई का घमंड हो गया , वह समझता था कि इस बार भी वह ही प्रथम आएगा।

कुछ दिन बाद कक्षा में एक नया छात्र आया।उसका नाम अंशु था। कुछ दिनों में ही अंशु और राहुल की अच्छी दोस्ती हो गई लेकिन अब राहुल संजीव से ठीक से बात नहीं करता था।वह राहुल के साथ खेलता भी नहीं था।

एक बार राहुल दो दिन तक स्कूल नहीं आया।अब संजीव को अपने मित्र की चिंता होने लगी।वह अगले दिन राहुल से मिलने उसके घर गया वहाँ जाकर संजीव को पता लगा कि राहुल को बुखार है राहुल ने संजीव को बताया कि डॉक्टर ने उसे और दस दिन घर में रहकर ही आराम करने की सलाह दी है। संजीव ने कहा मित्र तुम जल्दी ही स्वस्थ हो जाओगे ,पढ़ाई की चिंता मत करना। मैं तुम्हें गृहकार्य पूरा करने में मदद करूँगा।

पंद्रह दिन बाद जब राहुल स्कूल आया तो संजीव उसे देख कर बहुत खुश हुआ जबकि अंशु ने राहुल से उसकी तबीयत के विषय में बात तक नहीं की।उसने अब नए मित्र बना लिए थे। संजीव ने राहुल को सब नोट्स दिए और गृहकार्य पूरा करने में भी उसकी सहायता की। राहुल ने संजीव की मदद से जल्द ही सब विषयों का कार्य पूरा कर लिया।अब राहुल को अपने सच्चे मित्र की पहचान हो गई थी।

परीक्षा नज़दीक थीं, दोनों मित्र परीक्षा की तैयारी करते थे। राहुल फिर से कक्षा में प्रथम आया। उसने संजीव को उसकी सहायता के लिए धन्यवाद किया और कहा तुम ही मेरे सच्चे मित्र हो।दोनों फिर से अच्छे मित्र बन गए।

शिक्षा - मुश्किल समय में ही सच्चे मित्र की पहचान होती है।

नसीम खान

प्राथमिक शिक्षिका

GLIMPSES OF CO-CURRICULAR ACTIVITIES (CCA)

SPIC MACAY